CLASS → 5 महाजनपद और मगध साम्राज्य

भारत, 600 ईसा पूर्व [16 महाजनपद]

→ आर्य central Asia से migrate किये थे जो अलग-अलग जनजाति में बँट गये थे

→ इन जनजातियों को हम 'जन' बोलते है और जहाँ पर इनका पैर (पद) पड़ जाता था वो territory इनकी जनजाति के आधार पर 'जनपद' पड़ा।

→ इन जनजातियों के शासकों द्वारा अपने आस-पास के जनपदों का एकत्रीकरण (consolidation) कर लिया गया तब ये 'महाजनपद' कहलाये।

→ कुल महाजनपद = 16 (सोलह)

→ सबसे शक्तिशाली महाजनपद = मगध

जनपद के बारे में बताता है → अष्टाध्यायी (किताब) {संस्कृत भाषा में}

द्वारा लिखी गयी

↓

पाणिनी

→ अष्टाध्यायी पुस्तक में बताया गया → कुल 40 जनपद के बारे में

→ महाजनपद के बारे में देखने को मिलता है → बौद्ध साहित्य और जैन साहित्य दोनों में

- बौद्ध साहित्य → ~~gmb~~ अंगुत्तर निकाय → में → कुल 16 महाजनपद वर्णित है।
  दीघ निकाय → में → सिर्फ 12 महाजनपद वर्णित है।
- जैन साहित्य → भगवती सूत्र → में → कुल 16 महाजनपद का उल्लेख है।

Note:- अंगुत्तर निकाय में "सोलासा महाजनपद" शब्द से 16 महाजनपद होने की पुष्टि होती है।

PARMAR SSC

PARMAR SSC

→ ये जो महाजनपद थे ये या तो राजतंत्रशाही (Monarchial) थे या फिर गणराज्य (Republic) थे।

- जहाँ पर Head of the State निर्वाचित हो वो गणराज्य कहलाता है। (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी तरह)
- Multiple decision makers (कुरु, कम्बोज, वज्जी, मल्ला, असाका)

Example:
- 5 महाजनपद → वज्जी, मल्ला, कम्बोज, कुरु, असाका

Trick: विजय माल्या कम बोझ कर दिया अस्सी रुका

- बाकी 11 महाजनपद → राजतंत्रशाही (Monarchial) है।

* महाजनपद, उनकी राजधानी और आधुनिक अवस्थिति *

क्रमांक	महाजनपद	राजधानी	आधुनिक Location
①	अंग	चम्पा	मुंगेर और भागलपुर
②	मगध	राजगिरि (पहले) / पाटलिपुत्र (बाद में)	गया और पटना
③	काशी	वाराणसी	बनारस
④	वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद
⑤	कौशल	श्रावस्ती (पहले) / अयोध्या (बाद में)	पूर्वोत्तर उत्तर प्रदेश
⑥	सूरसेन	मथुरा	मथुरा
⑦	पांचाल	अहिछत्र और कांपिल्य	पश्चिमी उ॰प्र॰ (बरेली)
⑧	कुरु	इंद्रप्रस्थ	मेरठ और दक्षिण-पूर्व हरयाणा
⑨	मत्स्य	विराटनगर	जयपुर
⑩	चेदी	सोथीवती / बांदा	बुंदेलखण्ड

(11) अवंती → उज्जैन / महिष्मती → मध्य प्रदेश और मालवा

(12) गांधार → तक्षशिला → रावलपिंडी

(13) कम्बोज → पूंछ → राजोरी और हजरा

(14) अस्मका → प्रतिष्ठान / पैठान / पोटान → गोदावरी के तट पर

(15) वज्जी → 8 कुल → वैशाली → वैशाली

(16) मल्ल → कुशीनारा / कुशीनगर → देवदार और उन्फ (Deosia)

Note: मगध गंगा नदी के दक्षिण में है।
ये गंगा और सोन नदी के मिलनस्थल (confluence) पर स्थित है।

- इसकी यही रणनीतिक अवस्थिति इसके ज्यादा शक्तिशाली होने के कारणों में से एक है।
- वाराणसी नाम दो नदियो → वरुण और अस्सी के नाम पर पड़ा।
- मथुरा उत्तर पथ और दक्षिण पथ के मिलनस्थल (confluence) पर है
  - उत्तर पथ → कम्बोज, गांधार
  - दक्षिण पथ → बाकी
- मगध के बाद सबसे शक्तिशाली महाजनपद → अवन्ती
- वज्जी → 8 कुल (clans) → जनातरिका, विदेह, लिच्छवी

÷ मगध के उदय के कारण ÷

1. लाभ की स्थिति
2. इसकी राजधानी राजगृह है जो 5 पहाड़ियो से घिरी हुयी है और पाटलिपुत्र गंगा और सोन के संगम पर स्थित है
3. हाथियों की बडी संख्या में उपलब्धता।
4. महान नेता थे इस साम्राज्य में

आइए इन महान नेताओं के बारे में जाने ↓

PARMAR SSC

*मगध में जिन राजवंशो ने शासन किया *

① * हर्यक राजवंश *

ⓐ बिम्बिसार (544 ईसा पूर्व - 492 ई.पूर्व)

- आगरा विजय
- कूटनीतिक रूप से : विवाह के माध्यम से : 3 पत्नियाँ
  - प्रसेनजित की बहन (कौशल राजा का पुत्र)
  - चेलाना (लिच्छवी)
  - मद्र कबीला (Clan) [पंजाब]

अपने चिकित्सक "जीवक" को उज्जैन भेजा (जब वे पीलिया (Jaundice) से पीड़ित थे)

ⓑ अजातशत्रु ÷

- चेलाना का पुत्र
- लिच्छवी पर विजय प्राप्त की
- कौशल को हराया (राजा की बेटी से शादी की)
- प्रथम बौद्ध परिषद का संरक्षण (Patronised) किया
- अपने पिता → बिम्बिसार को मारा था इसने

युद्ध इंजन / गुलेल [War engines / catapults]

युद्ध इंजनो / कैटापोल्ट्स का उपयोग करके वैशाली पर विजय प्राप्त की।

ⓒ उदायिन ÷

- राजधानी को बदला ÷ राजगीर (राजगृह) ⟶ पाटलिपुत्र

PARMAR SSC

② शिशुनाग वंश *

- अवंती को हराया और मगध में विलय कर लिया।
- कालाशोक ने द्वितीय बौद्ध संगीति को संरक्षण दिया।

③ * नंद वंश *

@ महापदमनद :

- शीर्षक (Title) → एकराट (अर्थ: साम्राज्य निर्माता)

ⓑ धनानंद :

- अलेक्जेंडर ने इसके शासनकाल के दौरान (326 ई. पू.) भारत पर आक्रमण किया।
  - मैसेडोनिया का शासक
- "अलेक्जेंडर महान" ने कई स्थानों को हराया और अपनी ही सेना से हार गया।
  - हाइडेस्पेस का युद्ध → सिकंदर और पोरस के बीच
    - इलेम नदी के तट पर
    - पोरस (हारा)

④ * मौर्य वंश *

@ चंद्रगुप्त मौर्य :

समाज (Society)

- मिट्टी के बर्तन → उत्तरी काले पॉलिश वाले बर्तन (NBPW)

PARMAR SSC

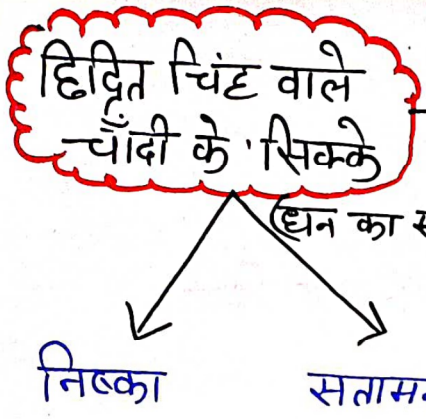

PARMAR SSC

द्विवृत चिंह वाले चाँदी के 'सिक्के → व्यापार करने में सुविधा हुयी।
(धन का स्वरूप)
- निष्का
- सतामना

कारीगर और व्यापारी ÷ (गिल्ड / श्रेनिस) → (संगठन)

→ शिल्पकला वंशानुगत थी।
→ लोहे के फाल → कृषि अधिशेष (Surplus) (हड़प्पा के बाद दूसरा शहरीकरण)

[redacted] (Post) पद

→ ग्राम प्रधान → भोजक कहलाता था
→ किसानों को अपनी उपज का 1/6 भाग देना पड़ता था।
→ धनी किसान → गृहपति कहलाते थे।
→ वैश्य (होते थे अधिकांश)

* कुछ अतिरिक्त जानकारी *

→ बाली ÷ → राजा को स्वैच्छिक भेंट (अनिवार्य थी)
→ टोल टैक्स ÷ → "शौल्किका / शुल्काध्यक्ष" के नाम से जाने वाले अधिकारियों द्वारा वसूला जाता रहा।

ONE LINERS (MCQ)

→ नंद वंश का अंतिम शासक → धनानंद
→ विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना → पाल राजा ÷ धर्मपाल ने की।

PARMAR SSC